Long Term Planning of IQAC *(wef 2021-22)*

1. **नवीन पाठ्यक्रमः** संस्थान में दो विषयों (Food Science & Quality Control एवं Management) में 'सहायक-विषय' के रूप में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था है। नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत इन्हें Minor विषय के रूप में संचालित रखा जावेगा। परन्तु प्रथमतः सत्र 2022-23 से Food Science & Quality Control को एक नवीन विषय **Food-Technology** में परिवर्तित करते हुए Major Subject के रूप में संचालित किया जाना चाहिए।

2. **स्नातकोत्तर स्तर पर CBCS:** स्नातकोत्तर कक्षाओं में CBCS लागू करने के लिए समस्त विषयों के Final Year में एच्छिक प्रश्नपत्रों (Optional Papers) को उपलब्ध कराने बाबत् संबंधित Board of Studies को निर्देशित किया जाना होगा। स्नातकोत्तर के समस्त पाठ्यक्रमों को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के CBCS Ordinance No-14 के अधीन संचालित किया जाना होगा, ताकि स्नातकोत्तर स्तर पर CBCS with Credit System पूर्णरूपेण लागू किया जा सके।

3. **बोर्ड ऑफ स्टडीज़ (Board of Studies) का पुर्नगठनः** BOS को Reconstitute करते समय उसमें एक-एक सदस्य देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों/उच्च-शिक्षा-संस्थानों/शोध-संस्थानों से जोड़ा जावे। इन विषय-विशेषज्ञों के चयन बाबत MHRD के VIDWAN पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है।

4. **Practice School की व्यवस्थाः** संस्थान स्तर पर गठित Academic & Administrative Audit Committee द्वारा सुझाव दिया गया है कि स्नातकोत्तर स्तर पर MSc (Physics, Chemistry, Biotechnology विषयों में) कक्षाओं में जहां विद्यार्थियों को संपूर्ण चतुर्थ-समेस्टर के लिए संस्थान से बाहर किसी अन्य संस्थान में जाना होता है, इस व्यवस्था को Practice School के अन्तर्गत संचालित किया जाना चाहिए, इसमें विद्यार्थी Study Orientated Project / Job Oriented Project / Research Oriented Project / Industry Oriented Project अन्तर्गत कार्य करेगा। शेष विषयों के अन्तिम सेमेस्टर में Dissertation की व्यवस्था यथावत रहेगी यदि किसी विषय में ये व्यवस्थाएं नहीं हैं तो उसमें Practice-School अथवा Dissertation का कार्य प्रारम्भ किया जावे।

5. **Online Teaching Diary:** संस्थान में प्रत्येक शिक्षक को हार्ड-कापी के रूप में Teaching-Diary तैयार करने की व्यवस्था प्रचलन में है। Teaching-Diary को Online करने हेतु Online Class Reporting माड्यूल में Topic, Teaching-Methodology, Teaching-Tool & Work-done को और सम्मिलित किया जा सकता है, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था अंतर्गत अकादमिक जानकारियाँ माऊस क्लिक पर उपलब्ध हो सकेंगी तथा डाटा संधारित रहेगा।

6. **Identification of Slow & Fast Learner Students:** प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों में Slow & Fast Learner Students की पहचान, टेस्ट अथवा कक्षा में विद्यार्थी के प्रदर्शन या Questionnaire के माध्यम से की जावेंगी। तदानुसार इन विद्यार्थियों बाबत् योजनाएं (Remedial-Classes, Extra-Classes, Special-Trainings, Motivational Lectures, Invited-Talks, etc.) क्रियान्वित की जावेंगी।

7. **Strengthening of Tutor Guardian (TG) Scheme:** संस्थान में टी.जी. स्कीम के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से ऑनलाईन डाटा, प्रश्नावली के माध्यम से एकत्रित किया जाता है। इस डाटा को आधार बनाकर विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित कर TG-Scheme को और सुदृढ़ किया जा सकता है। इसके लिये T.G. Committee के सदस्यों के साथ IQAC की समय-समय पर बैठकें आयोजित की जावेंगी। इस योजना में Personal Counseling, Personality Development, Core-abilities, इत्यादि को सम्मिलित किया जा सकता हैं, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हो सकेगा।

8. **Parent-Teacher Association (PTA):** PTA का गठन सभी विभागों में अनिवार्यतः किया जाना चाहिए। इस माध्यम से अभिभावकों से आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जा सकता है तथा उनकी भागीदारी के साथ विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा सकती हैं।

9. **Strengthening of Comprehensive Continuous Evaluation (CCE):** संस्थान की अकादमिक प्रणाली की लाईफ-लाईन CCE की व्यवस्था है। इसे और सुदृढ़ करने बाबत् CCE Monitoring Cell का गठन किया जाना चाहिए। इस सेल के माध्यम से सीसीई को और बेहतर तरीके से क्रियान्वित करने में मदद प्राप्त होगी। साथ ही सीसीई व्यवस्था में और अधिक कसावट भी आ सकेगी।

10. **Student Feedback System:** इसके अन्तर्गत पूर्व से चली आ रही समस्त फीडबेक व्यवस्थाएं यथावत रहेंगी, परन्तु अकादमिक उत्कृष्टता को दृष्टिगत रखते हुए प्रत्येक कालखण्ड (Period) के उपरान्त विद्यार्थियों के मध्य सर्वे आयोजित किया जावेगा। इस सर्वे में शिक्षक द्वारा पढ़ायी गई विषय-वस्तु एवं विद्यार्थियों को कितना समझ में आया, का डीज़िटल डाटा IT-Cell द्वारा संधारित रखा जावेगा। इस बाबत् पोर्टल पर तैयार Quiz/Survey-Module का उपयोग किया जावेगा। इस संबंध में IT-Cell के साथ एक बैठक शीघ्र आयोजित की जाना प्रस्तावित है।

    फीडबेक के आधार पर विभिन्न योजनाएं तैयार की जाना चाहिए एवं फीडबेक आधारित योजनाओं पर Action Taken Report भी प्राप्त की जाना चाहिए।

11. **संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों का Feedback Mechanism:** प्रत्येक सेमेस्टर/सत्र में संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों का विभिन्न अकादमिक एवं प्रशासनिक बिन्दुओं पर Feedback प्राप्त करने बाबत Online व्यवस्था प्रारम्भ की जा सकती है, इसकी सहायता से अकादमिक एवं प्रबंधकीय कार्यो में और कसावट लायी जा सकेगी।

12. **Implementation of Question Bank Concept:** नवीन शिक्षा नीति के अन्तर्गत प्रश्न-पत्रों का निर्माण Question Bank के माध्यम से किया जाना होगा, साथ ही प्रश्न-पत्र LOCF के उद्देश्यों को पूर्ण करने वाला भी होना चाहिए। अतः Examination Cell (परीक्षा प्रकोष्ठ) के साथ एक बैठक आयोजित की जावेंगी ताकि प्रश्नपत्रों की रूपरेखा को Reform कर NEP के उददेश्यों की पूर्ति की जा सके।

13. **Publication of Research Journals:** संस्थान स्तर पर पूर्व में 'युयुत्सु' शोध पत्रिका का प्रकाशन किया जाता रहा है, इसे प्रतिवर्ष नियमित रूप से प्रकाशित करते रहना चाहिए तथा इसका ISSN नम्बर पंजीकृत करवाने हेतु एक समिति गठित की जावे। यह समिति शोध-पत्रिका के प्रकाशन सम्बन्धी समस्त कार्य करेगी।

14. **Textbook Writing:** नवीन शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन द्वारा नवीन पाठ्यक्रमों के लिए पुस्तक लेखन का कार्य प्रारम्भ किया गया है। संस्थान के प्राध्यापकगण इस सम्बन्ध में अपनी स्वीकृति प्रदान कर पुस्तक लेखन का कार्य सम्पादित करें। ऐसे प्राध्यापकों की सूची पोर्टल पर उपलब्ध रहनी चाहिए जो पुस्तक लेखन के कार्य में संलग्न है। साथ ही पुस्तक लेखन से जुड़े संकाय सदस्यों को समय-समय पर प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर पुरस्कृत भी किया जाना चाहिए।

15. **MOUs & Linkages:** प्रत्येक विभाग के द्वारा कम से कम दो राष्ट्रीय-स्तर एवं दो राज्य-स्तर की संस्थाओं के साथ एमओयू किया जा सकता है। साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ लिंकेजेस भी स्थापित किए जा सकते हैं। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए अधिक से अधिक अकादमिक गतिविधियां आयोजित करना है। अन्तर्राष्ट्रीय लिंकेजेस के लिए एमएचआरडी के GIAN पोर्टल का उपयोग किया जाना चाहिए।

16. **Academic Calendar:** प्रत्येक विभाग द्वारा सम्पूर्ण सत्र के लिए आयोजित की जानी वाली शैक्षणिक एवं शैक्षेणेत्तर गतिविधियों की कार्ययोजना का प्रारूप संस्थान के Academic Calendar के अनुपालन में तैयार कर आईक्यूएसी के पास जमा किया जाना चाहिए। इन गतिविधियों को आयोजित करवाकर उनकी रिपोर्ट, समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें एवं फोटोग्राफ्स विभाग में एवं आईक्यूएसी में संधारित होना चाहिए।

17. **Extension Activities:** संस्थान की एनएसएस, एनसीसी, रेडक्रॉस इत्यादि इकाइयों द्वारा NGO/Industry एवं अन्य सामाजिक समुदायों के साथ मिलकर विविध-सांस्कृतिक, सामाजिक-चेतना एवं मानवीय-मूल्यों से जुड़ी एक्सटेंशन एक्टीविटीस आयोजित की जावें। इन गतिविधियों में संलग्न विद्यार्थियों की संख्या, गतिविधि का प्रकार व विषय, संयोजक शिक्षक का नाम एवं अन्य संलग्न शिक्षकों की पूरी जानकारी साक्ष्य के साथ संधारित की जाना चाहिए। समस्त फोटोग्राफ्स जियो-टैगिंग के साथ लिए जाना चाहिए।

    - एनएसएस द्वारा एनएसएस-डे सेलिब्रेशन, ब्लड-डोनेशन, समाजसेवा से जुड़े कार्य, पर्यावरण से जुड़े कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा से जुड़े कार्यक्रम इत्यादि आयोजित किए जाना चाहिए।
    - एनसीसी यूनिट द्वारा राष्ट्रीय एकता से जुड़ी गतिविधियों की प्रदर्शनी, परेड का आयोजन, एनसीसी-डे का सेलिब्रेशन, विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण जैसे कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाना चाहिए।
    - संस्थान का कोई भी विभाग इस प्रकार की गतिविधियां आयोजित करने के लिये स्वतंत्र है।

18. **Awards & Recognition Received for Extension Activities:** एक्सटेंशन एक्टिविटी के दौरान जिन प्रतिभागी विद्यार्थियों को शासन अथवा अन्य मान्य संस्थाओं द्वारा पुरस्कृत किया गया है, उनकी सूची पोर्टल पर अद्यतन रखने की व्यवस्था आईटी सेल की मदद से की जाना चाहिए। इस सूची में स्पोर्ट्स, एनसीसी, एनएसएस एवं युवा उत्सव जैसे कार्यक्रमों में पुरस्कृत विद्यार्थियों को सम्मिलित किया जाना चाहिए।

19. **Research Activities:** संस्थान के सात विभाग विश्वविद्यालय के शोध-केन्द्र के रूप में मान्यता प्राप्त हैं। इन केन्द्रों में पंजीकृत विद्यार्थियों एवं उनके शोध-निर्देशक की जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहती है। शोधकार्य की अद्यतन जानकारी भी उपलब्ध रहना चाहिए। इसे लगातार अद्यतन रखने बाबत शोध-निर्देशक के पास सुविधा उपलब्ध रहनी चाहिए। शोध हेतु पंजीकृत होने की प्रक्रिया एवं Fees Structure पोर्टल पर प्रदर्शित होना चाहिए। शोध कर रहे विद्यार्थियों को संस्थान के अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी देना चाहिए। उत्कृष्ट शोधकार्य करने वाले शोध-निर्देशक एवं शोधार्थी को समय-समय पर पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

20. **Installation of Learning Management Software (LMS) Moodle on the IEHE-Portal:** वर्तमान में संस्थान में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था Microsoft Team के माध्यम से संचालित की जाती है। आज के समय की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए अध्ययन-अध्यापन की ऑनलाईन प्रणाली के सफल संचालन बाबत् संस्थान को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए LMS की व्यवस्था उपलब्ध कराया जाना आवश्यक हो गया है। अतः उचित Content Management के साथ Blended Learning Features, Assessment and Testing तथा बेहतर Reporting & Tracking एवं E-Commerce Functionality हेतु LMS Software (**Moodle**) को संस्थान के पोर्टल पर उपलब्ध करवाया जाना होगा।

21. **Student Enrolment & Profile:** हमारा संस्थान राज्य स्तरीय अकादमिक गतिविधियों को संचालित करने वाली म.प्र. शासन की एक प्रीमियर संस्था है। अतः Student Enrolment & Profile पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, वैसे तो संस्थान में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी देश/प्रदेश के कोने-कोने से आते हैं, परन्तु इसका राज्यवार/जिलेवार विश्लेषण किये जाने की आवश्यकता है। यह कार्य IQAC द्वारा किया जावेगा एवं एक रिपोर्ट उच्च स्तर की समितियों के समक्ष प्रस्तुत की जावेगी। प्रथम दृष्टतया IQAC प्रवेश की नवीन व्यवस्था के लिए राष्ट्रीय स्तर का Entrance Examination आयोजित करने बाबत् National Testing Agency की सेवाएं प्राप्त किये जाने की अनुशंसा करती है ताकि Student Enrolment & Profile को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जा सके।

22. **Budget of Departments & Committees:** समस्त विभागों एवं समितियों से इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट/ योजनाओं में राशि की आवश्यकता मय Budget-Justification के साथ प्राप्त करके विस्तृत बजट तैयार करने पर जोर दिया जाना चाहिए एवं सत्र के अन्त में कितना Budget उपयोग में लाया गया है इसकी जानकारी संधारित की जाना चाहिए। सम्पूर्ण सत्र के दौरान विभिन्न समितियों द्वारा किये गये कार्यो पर एक प्रतिवेदन संचालक के समक्ष प्रस्तुत करना होगा जिसे आईक्यूएसी में संधारित रखा जावेगा।

23. **Infrastructure:** विभागवार उपलब्ध सुविधाओं (शोध-उपकरण एवं अन्य उपकरणों की जानकारी) का पोर्टल प्रदर्शन होना चाहिए, साथ ही प्रत्येक वर्ष क्रय किए गए प्रमुख उपकरणों इत्यादि का उल्लेख इसमें सतत् होता रहना चाहिए ताकि अद्यतन डाटाबेस पोर्टल पर उपलब्ध रहे एवं इनके बेहतर उपयोग के लिए पोर्टल पर Logbook की व्यवस्था प्रस्तावित है जिससे अन्य विभागों/महाविद्यालयों के शिक्षक/शोधार्थी भी इनका समुचित उपयोग कर सके। इस संबंध में IT-Cell के साथ एक बैठक शीघ्र आयोजित की जाना प्रस्तावित है।

24. **Importance of E-Learning Resources:** संस्थान में कई विभागों में IT-Tools के साथ-साथ Smart-Class Rooms स्थापित हैं अतः सर्वप्रथम इनकी एक Inventory तैयार की जावेगी तथा उसे पोर्टल पर प्रदर्शित किया जावेगा। E-Learning Resources के बेहतर उपयोग के लिए पोर्टल पर Logbook की व्यवस्था प्रस्तावित है जिससे अन्य विभाग भी इनका समुचित उपयोग कर सके। इसके अतिरिक्त समय-समय पर इनके बेहतर उपयोग बाबत IQAC, IT-Cell एवं Computer Science Department के सहयोग से शिक्षकों हेतु Training Session, FDP एवं Workshop इत्यादि आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

25. **<u>Mentoring System</u>**

- TG Scheme के उचित क्रियान्वयन से Mentoring System को विद्यार्थियों के मध्य बेहतर स्वरूप में स्थापित करना होगा।
- संस्थान में *Student-Student* Mentor-Mentee System, *Teacher-Teacher* Mentor-Mentee 3System एवं *Teacher-Non-Teaching Staff* Mentor-Mentee System की अत्यन्त आवश्यकता है। इस बाबत सर्वप्रथम पोर्टल के माध्यम से Students, Teachers एवं Staff का एक ऐसा डाटाबेस तैयार किया जावेगा जिससे संबंधितो के Expertise Areas एवं Weak Areas की जानकारी एकत्रित की जा सकें। तदानुसार विभिन्न स्तरों पर Mentor-Mentee योजनाएं IQAC के माध्यम से प्रारम्भ की जावेंगी। आवश्यकतानुसार कार्यालयीन कर्मचारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जावेगा।

26. **Library:** संस्थान के पोर्टल/ILMS पर नयी पाठ्य-पुस्तकों, संदर्भ-ग्रंथों, e-books, journals, e-journals, CD & Video, इत्यादि की प्रविष्टियाँ है एवं आवश्यकता होने पर विद्यार्थी उन्हें ऑनलाईन सर्च कर सकते हैं तथा इसके इश्यु बाबत एडवांस बुकिंग भी कर सकता है। इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए। वर्तमान में संस्थान के पास केवल NLIST की सुविधा उपलब्ध है। E-Library में E-Resources की संख्या को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है तथा इनके सर्वाधिक उपयोग करने वाले विधार्थी को पुरस्कृत भी किया जा सकता है।

27. **E-content की उपलब्धता:** विद्यार्थियों को e-PG Pathshala, SWAYAM (NPTEL/CEC/ IGNOU इत्यादि) एवं Self Placed Learning अंतर्गत उपलब्ध ई-कन्टेन्ट (जैसेः vlab.co.in, E-Kalpa, Oscar, Spoken Tutorial, Swayamprabha, Edx etc) के उपयोग को बढ़ावा देने बाबत योजना तैयार की जाना चाहिए। फैकल्टी के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी इस संबंध में और अधिक जागरूक बनाने की आवश्यकता है।

28. **E-content का निर्माणः** संस्थान के पास E-content निर्माण की प्रारंभिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसका उपयोग संस्थान द्वारा सत्र 2020-2021 में 'उच्च-शिक्षा' विभाग के यू-ट्यूब चैनल MPPGScienceE-content के लिए स्नातकोत्तर स्तर के पांच विषयों Physics, Chemistry, Mathematics, Botany & Zoology हेतु प्रदेश के विभिन्न विषय-विशेषज्ञों से ई-कन्टेन्ट तैयार करवा कर अपलोड करने के लिए किया गया हैं। लगभग 160 से अधिक 40-40 मिनिट के वीडियो प्रजेन्टेशनस यू-ट्यूब पर अपलोड किए गए हैं। संस्थान के UG एवं PG students के लिए भी इसी प्रकार का एक चैनल बनाने की योजना है ताकि संस्थान के विद्यार्थीगण भी लाभान्वित हो सके। E-Content निर्माण हेतु रिकॉर्डिंग रूम की पृथक व्यवस्था भी की जाना चाहिए।

29. **IT-Infrastructure:** संस्थान में विद्यार्थियों के अनुपात में कम्प्यूटरों की संख्या पर्याप्त नहीं है अतः संस्थान को अपने फण्ड से प्रथम चरण में 50 कम्प्यूटर और क्रय करने चाहिए। साथ ही इंटरनेट की बेहतर व्यवस्था हेतु उच्च क्षमता की लीज़-लाईन का होना भी अत्यंत आवश्यक है ताकि संस्थान परिसर में Internet की बेहतर व्यवस्था स्थापित हो सके।

30. **Maintenance of Campus Infrastructure:** वर्तमान में संस्थान की Physical Facilities एवं Academic Support Facilities के रखरखाव पर बहुत कम व्यय किया जाता है, इससे दीर्घ अवधि में संस्थान को ही हानि उठानी पड़ती है, अतः रखरखाव व्यवस्था हेतु पृथक से बजट आवंटित होना चाहिए। IQAC द्वारा विभिन्न सुविधाओं के उचित रखरखाव बाबत Procedures & Policies को तैयार किया जा रहा है। प्रथमतः Library एवं Sports Facility हेतु इन्हे तैयार कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त Computers, Class-Rooms, Smart-Class, Toilets, Common-Rooms, Water-Coolers, Fire-Extinguisher, etc. के लिए भी Procedures & Policies तैयार कर पोर्टल पर अपलोड की जावेगी ताकि संबंधितों की जिम्मेदारी तय की जा सके।

31. **Student Support System:** संस्थान को इस बाबत प्रत्येक विद्यार्थी से प्रतिवर्ष Student Welfare Fund (SWF) के अन्तर्गत राशि प्राप्त होती है। SWF से विद्यार्थियों का बीमा करवाया जाता है, साथ ही समस्त कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों को मैरिट के आधार पर दो हजार रूपये प्रति विद्यार्थी की दर से स्कालरशिप प्रदान की जाती है एवं अकादमिक समिति के द्वारा विद्यार्थियों को पेपर-प्रजेन्टेशन, इत्यादि के लिए टीए/डीए भी प्रदान किया जाता है। संस्थान की समितियों में इस बाबत अलग से एक कमेटी होनी चाहिए ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को और अधिक वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके। इस परियोजना का व्यापक प्रचार-प्रसार अपेक्षित है ताकि फण्ड का पूर्ण उपयोग विद्यार्थी हित में किया जा सके।

    संस्थान के विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की शासकीय स्कालरशिप प्रदान की जाती है संस्थान की समितियों में इस बाबत पृथक से एक स्कालरशिप कमेटी के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए Help-Desk होनी चाहिए ताकि विद्यार्थियों को स्कालरशिप का प्रदाय सुगमता से संभव हो सके।

32. **Capability Enhancement & Development Schemes:** इस संबंध में Placement Cell, English Department, Computer Science Department, Sport Department, Tutor Guardian Committee & Psychology Department को विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करने का कार्य और फोटोग्राफ एवं समाचार पत्र में प्रकाशित संबंधित खबरों को संधारित करने का दायित्व भी इन्हे सौंपा जा सकता है। Capability Enhancement से संबंधित गतिविधियाँ निम्नानुसार क्षेत्रों के अन्तर्गत आयोजित की जा सकती है:

    - Soft skill development
    - Remedial coaching
    - Language lab
    - Bridge courses
    - Yoga & Meditation
    - Personal Counselling & Mentoring

33. **Guidance for Competitive Examinations & Career Counseling:** प्रत्येक विभाग को प्रतिमाह करियर गाइडेंस संबंधी गतिविधि आयोजित करते रहना चाहिए। प्रत्येक विभाग को उनके विषय में करियर के उपलब्ध विकल्पों को लेकर एक प्रजेंटेशन तैयार करना चाहिए। इस प्रजेंटेशन में विभाग से पूर्व वर्षो में उत्तीर्ण विद्यार्थियों द्वारा अर्जित उपलब्धियों का भी उल्लेख होना चाहिए। विषय से संबंधित नेशनल लैबोरेटरीज़, राष्ट्रीय शोध-संस्थान, राष्ट्रीय

एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के एन.जी.ओ., ख्याति प्राप्त विषय-विशेषज्ञों एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों, इत्यादि का उल्ले होना चाहिए। यह प्रजेंटेशन प्रति माह अद्यतन किया जाना चाहिए ताकि वर्तमान परिस्थितियों/उपलब्धियों से विद्यार्थि को अवगत कराया जा सके एवं उन्हें सतत् मोटीवेट किया जा सके।

विषय से भिन्न करियर संबंधी गतिविधियों को Placement & Vocational Cell द्वारा समय-समय पर आयोजित किया जाना चाहिए।

34. **Grievance Redressal:** विद्यार्थियों की शिकायत निवारण का कार्य सर्वोच्य प्राथमिकता पर किया जाना चाहिए। इस कार्य में आई.टी. की मदद ली जा सकती है। विद्यार्थियों की शिकायत की कैटालॉगिन कर, Drop Down सुविधा के साथ पोर्टल पर मॉड्युल उपलब्ध करवाया जा सकता है। विभिन्न प्रकार की शिकायतों के निवारण के लिए Process Flow Design भी निर्धारित किया जा सकता है। Grievance Redressal समिति, IT-Cell एवं IQAC मिलकर इस सम्बन्ध में कार्ययोजना तैयार कर सकते हैं।

35. **Campus Placement:** प्लेसमेंट सम्बन्धी कार्य हेतु छात्र-छात्राओं की एक समिति का गठन Placement Cell के तत्वाधान में किया जा सकता है। प्लेसमेंट सेल के कार्य को और सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से इनकी एक बैठक आईटी सेल एवं आईक्यूएसी के साथ आयोजित की जा सकती है।

36. **Student Progression:** इस गतिविधि को उचित स्वरूप प्रदान करने बाबत परीक्षा-शाखा, आईटी-सेल, एल्युमनाई-सेल एवं आईक्यूएसी मिलकर एक बैठक आयोजित करें एवं योजना बनाकर इसे उचित स्वरूप में संचालित कर सकते हैं।

37. **Students Qualifying in State/National/International Exam etc:** उपलब्धि प्राप्त छात्र-छात्राओं की जानकारियों को एल्युमनाई-सेल/एसोसिएशन के तत्वाधान में आईटी-सेल की मदद से अद्यतन रखा जा सकता है। ऐसे छात्र-छात्राओं के नाम विभागों में डिस्प्ले-बोर्ड पर लिखे जाना चाहिए। एल्युमनाई-ऐसोसिएशन इस बाबत आवश्यक मदद प्रदान कर सकता है।

38. **Sports & Cultural Activities:** संस्थान में खेलकूद की गतिविधियों के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स है, परंतु कल्चरल एक्टीविटी के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, अतः इन गतिविधियों के लिए एक हॉल अथवा कमरा चिन्हित किया जाना चाहिए। इस कक्ष में गतिविधियों की जानकारी तथा फोटोग्राफ्स इत्यादि को प्रदर्शित किया जा सकता है। रिहर्सल इत्यादि के लिए भी इस हॉल का उपयोग प्रस्तावित है।

खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की समस्त जानकारियाँ स्पोर्ट्स ऑफीसर एवं सांस्कृतिक समिति के प्रभारी प्राध्यापक के माध्यम से संधारित रखी जा सकती हैं।

39. **Activities of Students' Council & Representations of Students in Various Committees:** संस्थान की उन्नति एवं विद्यार्थियों में लीडरशिप स्किल विकसित करने बाबत Student Council का गठन अनिवार्य होना चाहिए। विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी विभिन्न समितियों में होनी चाहिए। उनके द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख विद्यार्थियों के पोर्टफोलियो में दिए जाने की व्यवस्था की जानी चाहिए। आईटी-सेल के माध्यम से इस बाबत उचित सॉफ्टवेयर का निर्माण करवाया जा सकता है। विभिन्न विषयों के अध्ययन-मण्डल में संस्थान के पूर्व विद्यार्थी भागीदारी करते हैं, ऐसे विद्यार्थी जो अध्ययन-मण्डल में सक्रिय भागीदारी नहीं कर रहे हैं उन्हें अन्य विद्यार्थियों से रिप्लेस किया जाना चाहिए।

40. **Alumni Engagement:** संस्थान के लिए एक पंजीकृत एल्युमनी एसोसिएशन की तत्काल आवश्यकता है। इसके गठन के उपरांत समस्त गतिविधियाँ इसके माध्यम से ही संचालित की जानी चाहिए। प्रथमतः आईइएचई पोर्टल पर संस्थान से उत्तीर्ण हो चुके समस्त विद्यार्थियों का डाटा उपलब्ध रहना चाहिए ताकि कोई भी एल्युमनी, एल्युमनी एसोसिशएन में सरलता से पंजीकृत हो सके। परीक्षा-प्रकोष्ठ, आईटी सेल, एल्युमनी समिति एवं आईक्यूएसी इस सम्बन्ध में शीघ्र एक बैठक कर आवश्यक कार्ययोजना को मूर्तरूप दे सकते हैं। आरम्भ में एल्युमनी से सम्बन्धित बैठकों/फंक्शन्स हेतु संस्थान को आर्थिक मदद प्रदान करना चाहिए। एल्युमनी एसोसिएशन के पंजीकृत होने पर इसकी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी जा सकती है।

41. **Functional MIS:** संस्थान के पोर्टल पर एक फंक्शनल एमआईएस होना आवश्यक है जिसके माध्यम से निम्न कार्य सम्पादित किए जा सकते हैं:

- स्कॉलरशिप हेतु आवेदन करने वाले विद्यार्थियों की संख्या, स्वीकृत आवेदनों की संख्या एवं कुल वितरित छात्रवृत्ति की राशि की जानकारी।
- एकेडमिक, कल्चरल एवं स्पोर्ट्स का कैलेण्डर एवं प्लैनर।
- टीचिंग-लर्निंग की विस्तृत स्थिति यथा - Date, Class taken, Paper, Topic, Modality, Number of Students (Attendance) यह कार्य टीचिंग डायरी को ऑनलाईन करके अद्यतन रखा जा सकता है।
- प्रत्येक शिक्षक की रिसर्च प्रोफाइल से निम्न गतिविधियाँ एमआईएस के द्वारा प्राप्त की जा सकेगी:
  - Number of registered supervisors
  - Number of students registered
  - Number of Ph.D. awarded
  - Thurst area
  - Number of books published
  - Number of research papers published
  - Number of conferences attended
  - Membership in different boards/committees in National/International/ State/University
  - Citation Index
  - h-index; i_{10}-Index
  - Average impact factor (GIF/T&R)
  - *Collaboration (MOUs):* Year | Deptt. | Agency | Purpose | Activity | No. of Beneficiaries
  - Extension Activities: Year | Name of the Deptt./Unit | Field Area | Activity | Number of Students Participated | Objectives Achieved

उपरोक्त वर्णित कई बिंदुओं पर जानकारियां संस्थान पोर्टल पर रहती हैं, परन्तु इसे एमआईएस के रूप में प्रदर्शित किया जाना चाहिए। इस बाबत एक बैठक आईटी सेल एवं आईक्यूएसी के साथ आयोजित की जा सकती है।

42. **Gender-Equality:** इस संबंध में राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान विभाग एवं सांस्कृतिक-समिति को न्युनतम एक-एक गतिविधि प्रत्येक वर्ष संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करने का कार्य और फोटोग्राफ एवं समाचार पत्र में प्रकाशित संबंधित खबरों को संधारित करने का दायित्व भी इन्हे सौंपा जा सकता है। Gender equality से संबंधित निम्नानुसार कार्य करवायें जा सकते हैं:

- राजनीति-शास्त्र विभाग: Awareness Programs related to the 'Laws for Girl-Child'
- समाज-शास्त्र विभाग: National Commission for Women से Co-ordinate करके 'महिला अधिकार एवं संरक्षण' पर व्याख्यानों का आयोजन।

- मनोविज्ञान विभाग एवं सांस्कृतिक-समितिः 'Girls Child Education' एवं 'महिला-सशक्तिकरण' विषयों पर पोस्टर प्रतियोगिता जैसे अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है।
- सांस्कृतिक-समितिः अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस (8-मार्च) को विविध क्षेत्रों में महिलाओं की प्रमुख उपलब्धियों को लेकर विद्यार्थियों के मध्य परिचर्चा का आयोजन सांस्कृतिक समिति के द्वारा संपन्न कराया जा सकता है।

43. **Use of Renewable Energy Sources & Others Facilities:** संस्थान में 10-10 KVA के दो सोलर पैनल पुस्तकालय एवं कन्या छात्रावास में स्थापित हैं। इनके सुधार, रखरखाव एवं विस्तार हेतु 'Maintenance Electric Committee' को दायित्व सौंपा जा सकता है। संस्थान में एलईडी बल्ब एवं एलईडी ट्यूबलाईट्स इत्यादि के इस्तेमाल की दीर्घकालीन योजना बनानी चाहिए। ग्रीन-ऑडिट का कार्य भी समय-समय पर करवाते रहना चाहिए। छात्रावासों एवं कैण्टीन में ईन्सीनेटर की व्यवस्था होनी चाहिए। Vermiculture, Rain Water Harvesting & Orgainic Waste Management की सुविधा भी संस्थान में होनी चाहिए।

44. **Friendliness for differently abled (Divyangjan):** संस्थान में पृथक से एक समिति बनायी जाये जो संस्थान में प्रवेशित एवं अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों की विविध स्थितिओं की जानकारियां लेकर उनसे संबंधित सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का कार्य करे। इनमें से कुछ बुनियादी सुविधाएँ निम्नानुसार हो सकती हैः

- पृथक रेस्ट रूम।
- Blind Students के लिय ब्रेल Software का क्रय।
- दिव्यांग विद्यार्थियों में उपस्थित विशेष Skill को बढ़ाने हेतु आवश्यक योजना लागू करना।
- दिव्यांग विद्यार्थियों की सुविधा के लिये Ramp के साथ Railing लगवाने का कार्य।

45. **Human Values & Professional Ethics:** इसके अन्तर्गत निम्न कार्यवाही प्रस्तावित हैः

- Faculty के लिए Code of Conduct का Manual बनाने का दायित्व अंग्रेजी विभाग को सौंपा जा सकता है।
- विद्यार्थियों के लिए Code of Conduct का Manual बनाने का कार्य Anti Raging Committee, Sports Department, Cultural Committee, NCC & NSS के सहयोग से किया जा सकता है।

उपरोक्त दोनों Manuals को Frame करवाकर, संस्थान में सही जगह का चयन कर, डिस्प्ले-बोर्ड/दीवार पर प्रदर्शित किया जाये साथ ही संस्थान के Portal पर भी इसे उपलब्ध करवाया जाये।

46. **Activities Conducted for Promotion of Universal Values & Ethics:** संस्थान के विभिन्न विभागों को प्रतिवर्ष न्यूनतम एक-एक कार्यक्रम इनसे संबंधित आयोजित करने, रिपोर्ट संधारित करने व समाचार पत्र में प्रकाशित करवाने एवं उसकी प्रति संधारित करने का दायित्व सौंपा जाये। गतिविधियां निम्नानुसार हो सकती हैः

- Yoga Day Celebration - *Sports Department*
- National Unity & Integrity Related Programme - *NCC*
- Social Services Related Programme – *NSS*
- Peace & Non-violance Related Programme (Debate & Panel Discussion, etc) - *Political Science Department*
- Meditation Programme - *Dr R.K. Srivastava*
- Blood Donation Camps - *NSS & Rotrate Club (Dr Indira Burman & Dr Anjali Jain)*

47. **Eco Friendly Campus:** इससे संबंधित गतिविधियाँ निम्नानुसार हो सकती हैः

- PUC Drive in Campus for Staff & Students Vehicles
- Campus Beautification के कार्य हेतु NSS से पृथक एक Campus Beautification समिति बनायी जाये। उससे योजना तैयार कर कार्य करवाया जावे तो बेहतर परिणाम आवेंगे। इस समिति के संयोजक के रूप में Dr Ajay Bharadwaj एक उचित विकल्प हो सकते है। इस समिति के मार्गदर्शन में निम्न कार्य करवाए जा सकते हैंः

  ➢ संस्थान परिसर में उपलब्ध समस्त पेड़ों पर उनके नाम एवं उनके औषधीय गुणों का वर्णन होना चाहिए।

  ➢ संस्थान परिसर में Open-Gym विकसित किया जाना चाहिए साथ ही विभिन्न स्थानों पर विद्यार्थियों के बैठने बाबत् Sit-outs की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

  ➢ विभिन्न जगहों पर Landscaping का कार्य भी किया जाना चाहिए।

  ➢ विद्यार्थियों को एक-एक पेड़ गोद देने की योजना क्रियान्वित की जाना चाहिए। संस्थान छोड़ते समय इसका उल्लेख टी.सी. अथवा Conduct Certificate/Portfolio में होना चाहिए। NEP के अन्तर्गत यह योजना समस्त नवप्रवेशित विद्यार्थियों पर तत्काल लागू की जा सकती है।

  ➢ प्रत्येक माह विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा केम्पस में श्रमदान का कार्य किया जाना चाहिए।

  ➢ केण्टीन एवं मेस में साफ-सफाई एवं खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी विद्यार्थियों की समिति को सौंपी जा सकती है।

  ➢ छात्रावासों के आसपास के जगहों पर किचन-गार्डन विकसित किये जाना चाहिए।

  ➢ प्रतिवर्ष दो बार 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को उस विभाग/छात्रावास को पुरस्कृत किया जाना चाहिए जो अपने विभाग/छात्रावास एवं उसके आस-पास के परिसर को सर्वाधिक स्वच्छ एवं Eco-friendly रखता है। इस कार्य हेतु समस्त विभागों को पंजीकृत छात्र संख्या के आधार पर अनुदान भी दिया जा सकता है।

Saxena 11/10/21						11/10/2021
(डॉ. ज्योति सक्सेना)	**(डॉ. एच.के. गर्ग)**	**(डॉ. एस.के. जैन)**	**(डॉ. साधना पाण्डेय)**	**(डॉ. मनीष शर्मा)**	**(डॉ. प्रीती मिश्रा)**	**(डॉ. अनुज हुण्डैत)**
सदस्य आईक्यूएसी	सदस्य आईक्यूएसी	सदस्य आईक्यूएसी	सदस्य आईक्यूएसी	सदस्य आईक्यूएसी	सदस्य आईक्यूएसी	संयोजक आईक्यूएसी

Seen 11/10/21

11/10/2021